



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड—1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 52]
No. 52]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 19, 1997/फाल्गुन 28, 1918
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 19, 1997/PHALGUNA 28, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1997

अंतिम निष्कर्ष

विषय : यू.एस.ए. मूल के अथवा वहाँ से नियांति विस्फेनोल-ए के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच-अंतिम निष्कर्ष।

सं. 15/5/95/ए.डी.डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (छम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क्रियाविधि

2. निम्नलिखित क्रिया विधि अपनायी गयी है :

(i) निदिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) ने दिनांक 28 नवम्बर, 1996 की अधिसूचना सं. द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा इच्छुक पार्टियों से अनुरोध किया कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार व्यक्त करें।

(ii) प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजते समय सभी जात इच्छुक पार्टियों को पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों

पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।

(iii) प्राधिकारी ने संयुक्त राज्य अमरीका (जिसे इसके बाद यू.एस.ए. कहा जाएगा) के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि नियांतिकों तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दी जाए।

(iv) प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार द्वारा बढ़ाई गई समय-सीमा के भीतर, जांच को अंतिम रूप दिया है।

(v) प्राधिकारी ने 10-1-97 को मौखिक रूप से विचार सुनने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रति ग्राप्त कर लें तथा उनसे अनुरोध किया कि विपक्षी विचारों के खंडन में अपने विचार प्रस्तुत कर दें।

(vi) उपरोक्त नियम के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधारों की जानकारी ज्ञात सभी इच्छुक पार्टियों को दी गई तथा उन पर टिप्पणियां मांगी गई जिन पर विधिवत् विचार भी कर लिया गया है।

घरेलू उद्योग के विचार

3. प्रारंभिक निष्कर्षों के उत्तर में मैसर्स केसर पेट्रो प्रोडक्ट्स जिसे इसके बाद (केसर कहा जाएगा) द्वारा व्यक्त विचार नीचे दिए गए हैं :—

—जापान, रूस और ब्राजील से होने वाले आयात पर पाठनरोधी शुल्क लग जाने के फलस्वरूप यू.एस.ए. ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के अभाव में भारत में विस्फेनोल-ए की डम्पिंग प्रारम्भ कर दी थी;

—केसर ने क्षति मार्जिन के बारे में पूरा व्यौरा दिया है जो 31,362 रुपए प्रति मी.टन आता है और इसलिए पाठनरोधी शुल्क इस स्तर तक बढ़ाया जाए;

—रूस, ब्राजील और यू.एस.ए. से हुए आयात से घरेलू उद्योग को संचयी रूप से नुकसान हुआ है;

—चूंकि प्राधिकारी द्वारा रूस और ब्राजील से हुए आयात की जांच पहले ही की जा चुकी है इसलिए केसर के उचित बिक्री मूल्य संबंधी आंकड़े प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए जा चुके हैं जिसके आधार पर प्राधिकारी को 31,362 रु. प्रति मी.टन की सीमा तक शुल्क लगाना चाहिए।

निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य इच्छुक पार्टियों के विचार

4. प्राधिकारी द्वारा घोषित प्रारम्भिक निष्कर्षों पर किसी भी निर्यातक ने अपने विचार व्यक्त नहीं किए हैं। यू.एस.ए. की एक कम्पनी मैसर्स फर्स्ट इन्टरनेशनल कारपेरेशन ने प्राधिकारी को एक पत्र संबोधित किया है जिसकी प्रति आयातकों ने संलग्न की है। कंपनी ने कहा है कि वह इसी किस्म/मात्रा के लिए सुपुर्दगी के आधार पर यू.एस.ए. में प्रचलित मूल्यों से कम मूल्य पर भारत को विस्फेनोल-ए का निर्यात नहीं करेगी। इस कंपनी ने आगे कहा है कि वह यू.एस.ए. की एक उत्पादक कम्पनी मैसर्स आरिस्टेच कैमिकल कंपनी के लिए भारत में निर्यात विषयन का कार्य देखता रहा है और इसके द्वारा भारत में पूरे किए गए निर्यात सौदों के लिए मूल्य यू.एस.ए. के स्थानीय ग्राहकों को सुपुर्द मूल्यों से तुलनीय हैं। कम्पनी ने लगाए गए पाठनरोधी शुल्क से छूट मांगी है।

आयातकों एवं अन्य इच्छुक पार्टियों के विचार

5. जांच अवधि के दौरान विस्फेनोल-ए का एकमात्र आयातक मैसर्स सिबातुल लि. है जिसने प्राधिकारी को उत्तर भेजा है। तथापि, अनेक अन्य पार्टियों ने भी जांच में भाग लिया है और अपने विचार व्यक्त किए हैं। आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचार संक्षेप में नीचे दिए गए हैं :—

सामान्य कीमत पर

—यू.एस.ए. में स्थित भारतीय दूतावास द्वारा प्रस्तुत कीमतें यू.एस.ए. के केवल एक ही उत्पादक के लिए वितरक की कीमतों के आधार पर प्रस्तुत की गई। और यह कीमत जांच अवधि के बाद प्रभावी थी।

—कैमिकल मार्केटिंग रिपोर्टर (सी.एम.आर.) में दी गई कीमतें

संकेतक कीमतें हैं। जिन कीमतों पर व्यापार का लेन-देन किया जाता है वे अधिक संगत हैं और जांच से यह पता नहीं चलता है कि सी.एम.आर. की कीमतें नमूना कीमतें हैं अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए हैं। जांच से यह पता नहीं चलता है कि यू.एस.ए. में 3.6 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. के हिसाब से व्यापार का लेन-देन किया गया।

—प्राधिकारी निर्यातकों से अपेक्षित उत्तर और आवश्यक सूचना प्राप्त नहीं कर सका।

—प्राधिकारी को उत्तर देने में निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार महत्वपूर्ण हो सकता है। यू.एस.ए. से आयात बन्द हो जाने से प्रयोक्ता उद्योग के हितों पर भुरा असर पड़ेगा।

—यह निकर्ष निकालना गलत है कि प्राधिकारी को किसी अन्य आयातकों ने सहयोग नहीं दिया है जैसा की प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 32 में देखा गया है। अपने भरसक प्रथासों के बावजूद आयातक प्रकाशित सूचना की यथार्तता पर सूचना एकत्र नहीं कर पाए।

—प्राधिकारी को डम्पिंग शुल्क एवं वास्तविक नुकसान तय करने के लिए घरेलू उद्योग की विस्फेनोल-ए की वास्तविक निर्यात कीमत पर विचार करना चाहिए।

—स्वतंत्र रसायन सूचना सेवा (आई.सी.आई.एस./एल.ओ.आर.) से प्राप्त कीमतों से स्पष्ट होता है कि यूरोपीय बाजार में जांच अवधि के दौरान प्रचलित कीमतें 1.45 डी.एम. से 1.70 डी.एम. तक थीं जिससे यह निकर्ष निकलता है कि इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वे कीमतें नहीं थीं जो प्राधिकारी ने बताई हैं।

निर्यात मूल्य पर

—यह पूर्वानुमान लगाना गलत है कि यू.एस. से होने वाली कीमतें वहीं थीं जिन कीमतों पर सिबातुल ने सामग्री का आयात किया। 1000 किलो ग्राम जम्बू पैक में औफ-स्पेक विस्फेनोल-ए को केवल एक आयातक को निर्यात का पृथक अकेला सौदा हुआ है।

—विभिन्न देशों को केसर की निर्यात कीमतों की भी प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी चाहिए थी।

सामान्य कीमत एवं निर्यात कीमत की तुलना पर

—सिबातुल द्वारा किए गए विस्फेनोल-ए के आयात से आयातित मात्रा का पता नहीं चलता है। यदि इसके द्वारा किए गए आयात की मात्रा छोड़ दी जाय तो यू.एस.ए. से विस्फेनोल-ए का महत्वपूर्ण आयात नहीं हुआ है जो कुल उपयोग का 2% नहीं बनता है।

नुकसान पर

—केसर के उत्पादन, बिक्री मात्रा में हुई वृद्धि जो नुकसान के

- मूल्यांकन का प्रमुख आधार है, से यह स्पष्ट नहीं होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक नुकसान हुआ है;
- विस्फेनोल-ए का आयात तिगुने से अधिक नहीं हुआ है जैसा कि प्राधिकारी ने कहा है यदि 300 मी. टन के एक पृथक आयात को छोड़ दिया जाये;
- घरेलू उद्योग की उपयोग क्षमता वर्ष 1995-96 के समाप्त अवधि तक पिछले तीन वर्ष के लिए लगभग 84%—87% तक ऊँची रही है। तथापि, उत्पादन लागत ऐसी उच्च उपयोग क्षमता के अनुपात में नहीं प्रतीत होती है। इससे स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग के पास संयंत्र के आकार अलाभकारी हैं, उसके पास बटिया प्रौद्योगिकी और उच्च उत्पादन लागत है;
- घरेलू उद्योग का फेनोल एवं एसीटोन का उपयोग विवरण-पत्रिका में प्रकाशित उपयोग से काफी अधिक है जैसा कि तुलना-पत्र में दर्शाया गया है। उपयोग क्षमता में खूंदि के बावजूद फेनोल का उपयोग इन बर्षों में महत्वपूर्ण बढ़ा है;
- केसर के बिक्री मूल्यों में जो खूंदि हुई है वह पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 1995-96 में हुई कच्ची सामग्री की लागत खूंदि से अधिक थी जिसके फलस्वरूप केसर को बेहतर योगदान मिला;
- चूंकि प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि नुकसान यू.एस.ए. के साथ-साथ रूस और ब्राजील से हुए आयात के कारण संचयी रूप में हुआ है और प्राधिकारी ने रूस और ब्राजील से हुए आयात के खिलाफ पहले ही पाटनरेधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है फिर भी यू.एस.ए. से हुए आयात का प्रभाव केवल मामूली होगा। यदि रूस और ब्राजील से हुए आयात के कारण हुए नुकसान को निकाल दिया जाये तो यू.एस.ए. से हुए आयात के नुकसान का कोई मामला नहीं बनता है;
- केसर ने 8.88 लाख रुपए की जो हानि बतलाई है वह एक स्थानीय पार्टी के लिए किए गए जाब-घर्के के लिए हुई है;
- केसर ब्याज पूर्व लाभ कमा रहा है।

अन्य मुद्दे

- प्राधिकारी ने यू.एस.ए समेत विभिन्न देशों से हुए आयात के लिए 18 महीनों पर विचार किया है;
- यह अनुचित है कि निर्यातकों द्वारा असहयोग का लाभ विस्फेनोल-ए के घरेलू उत्पादक को दिया जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6. प्राधिकारी ने केसर आयातकों तथा अन्य पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों को जांच की तथा उन पर विचार किया और जहां उपयुक्त समझा गया, वहां इसके बाद कार्रवाई की गई। आवश्यक तथ्यों के उजागर हो जाने के पश्चात् की गयी टिप्पणियों पर भी इसके बाद उचित कार्रवाई की गई।

7. प्राधिकारी इस बात की पूष्टि करते हैं कि निर्यातकों से निर्धारित फार्म तथा तरीके से कोई सीधा उत्तर न मिलने के कारण उक्त नियम 6(8)

के अनुसार उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन निष्कर्षों पर पहुंचा है।

समान वस्तुएं तथा घरेलू उद्योग

8. नियम 2(घ) के तहत “समान वस्तु” का अभिप्राय उस वस्तु से है जो भारत में डम्प की गई वस्तु से हर मामले में एक जैसी हो, अथवा उसी के समान हो, जेवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु जो हर मामले में वैसी न हो, सेकिन उन वस्तुओं की विशेषता लिए हुए हो, जिन वस्तुओं की जांच की जा रही है।

9. विचाराधीन उत्पाद, जिसकी छंपिंग के लिए जांच की जा रही है, को प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 9 में परिभाषित किया गया है जो विस्फेनोल-ए है।

10. अनेक पार्टियों ने तर्क दिया कि सिबातुल द्वारा आयातित विस्फेनोल-ए औफ-स्मैक तथा घटिया सामग्री थी। तथापि, प्राधिकारी को पता चला कि सिबातुल द्वारा खरीदी गई औफ-स्मैक सामग्री का उसी प्रकार के प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया था। सिबातुल द्वारा आयातित सामग्री का उपयोग केसर द्वारा उत्पादित तथा बेची गई सामग्री का वाणिज्यिक तथा तकनीकी दोनों रूपों में ही स्पष्ट रूप से प्रतिस्थापन के रूप में किया गया। अतः प्राधिकारी ने नोट किया कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं में वे विशेषताएं हैं जो जांच की जा रही वस्तुओं में हैं। इसलिए नियम 2(घ) में दी गई परिभाषा में निर्धारित मानदंड पर्याप्त रूप से संतोषजनक है।

11. प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 9 की पुष्टि करता है तथा इस बात की पुष्टि करता है कि यू.एस.ए मूल की अथवा वहां से भारत को निर्यातित विस्फेनोल-ए तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विस्फेनोल-ए उपरोक्त नियम के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

सामान्य मूल्य

12. धारा 9 ए(1)(सी) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

(1) व्यापार के सामान्य क्रम में, समान वस्तु जब निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के उद्देश्य से है तो उसके लिए तुलनात्मक कीमत उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित की जाती है; या

(2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान मिलती-जुलती वस्तु की बिक्री नहीं है, या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं हो सकती है, तब सामान्य मूल्य निर्माकित दोनों देशों में से एक होगा :

(क) समान वस्तु की तुलनात्मक प्रतिनिधि कीमत जबकि इसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र या एक उपयुक्त तीसरे देश से किया जाता है जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है, अथवा

(ख) उद्गम वाले देश में उक्स बस्तु के उत्पादन की लागत तथा उसमें प्रशासनात्मक, बिक्री संबंधी और सामान्य लागतों तथा लाभों के लिए उचित कीमत जोड़ी जाती है, जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है।

लेकिन शर्त यह है कि उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से बस्तु के आयात के मामले में जहां बस्तु को सिफ़ निर्यातक देश से होकर वाहनान्तरित किया गया या ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित नहीं की जाती है या निर्यातक देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

13. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धारा के संबंध में सामान्य कीमत के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक संबंधी प्रश्नावलियां भेजी थीं। लेकिन प्राधिकारी ने नोट किया है कि यू एस ए से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और निर्धारित रूप और तरीके से कोई भी सूचना नहीं भेजी है। किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए अपने को प्रस्तुत नहीं किया है।

14. प्राधिकारी ने इस बात को स्वीकार किया है कि कैमिकल्स मार्किटिंग रिपोर्ट में बताई गई कीमतों से सम्भवतः वे कीमतें न पता चले जिनसे यू एस ए में कारोबार किया गया था। तथापि बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद निर्यातकों/उत्पादकों ने कोई भी सूचना नहीं भेजी और न ही आयातकों ने यू एस ए में घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों के संबंध में कोई साक्ष्य ही प्रस्तुत किए। इसके अन्तरिक्ष आयातकों ने स्वयं स्वीकार किया है कि सी एम आर में बताई गई कीमतें बास्तव में घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों के संकेतक हैं।

15. आई सी आई एस/एल ओ आर में बताई गई कीमतें असंगत हैं क्योंकि इनसे यू एस ए के बाजार में प्रचलित कीमतों का पता नहीं चलता है। यू एस ए में किसी निर्यातक/उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रवलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतें भी असंगत हैं।

16. उपर्युक्त के प्रकाश में प्राधिकारी ने व्यापार के स्वरूपों के समुचित समायोजनों के साथ सी एम आर में प्रकाशित कीमतों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा।

17. उपर्युक्त विस्तृत विवरण के अतिरिक्त प्राधिकारी यू एस ए में बिस्फेनोल-ए के सामान्य मूल्य के बारे में प्रारंभिक जांच के पैरा 12 से 17 की पुष्टि करते हैं।

निर्यात कीमत

18. निर्यातक कारखाना मत निर्यात कीमत देने में असफल रहे हैं। इस अवधि के दौरान जिन्होंने बिस्फेनोल-ए का आयात किया था उन्होंने प्राधिकारी द्वारा बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद वास्तविक सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इन परिस्थितियों में सिबातुल तथा अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा उपलब्ध करायी गयी तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर ही निर्यात कीमत का आकलन करना पड़ा।

19. प्राधिकारी इस बात को नोट करते हैं कि सिबातुल तथा अन्य हितबद्ध पार्टियां इस बात से सहमत हैं कि जांच-अवधि के दौरान बिस्फेनोल-

ए के आयात के केवल दो सौदे हुए हैं, सिबातुल ने अकेले सौदे में जम्बो पैक में 300 मी टन आफ-स्पैक बिस्फेनोल-ए का आयात किया।

20. 8.040 मी टन बिस्फेनोल-ए उत्पादक से आयात प्राधिकारी इस बात को स्वीकार करते हैं कि सिबातुल द्वारा आयात की गई सामग्री जम्बो पैक में बल्कि में थी जिसका औफ स्पैक आयात पृथक अकेले सौदे के रूप में किया गया था। अतः जिस कीमत पर सिबातुल ने बिस्फेनोल-ए का आयात किया था, वह सही निर्यात कीमत का प्रतिनिधित्व करती है। तथापि, बिस्फेनोल-ए की अच्छी गुणवत्ता वाली थोड़ी मात्रा में दूसरा आयात कारोबार है। इसके अतिरिक्त सिबातुल ने पुष्टि की कि अन्य आयातकों द्वारा किए गए आयातों पर आधारित 770 मि.लि. अमरीकी डालर से 1067 अमरीकी डालर प्रति मी. टन की कीमत पर अच्छी गुणवत्ता वाले बिस्फेनोल-ए का आयात किया गया। तथापि चूंकि सिबातुल ने जांच की अवधि के बाद कारोबार की सूचना दी। इसलिए जांच की अवधि के दौरान आयात के आधार पर निर्यात कीमत का आकलन किया गया जो 770 अमरीकी डालर प्रति मी. टन थी। इस अवधि के दौरान आयात किए गए बिस्फेनोल-ए की निर्यात कीमत का यह अच्छा उपर्युक्त आधार रहेगा। इस प्रकार सी आई एफ निर्यात कीमत 770 अमरीकी डालर प्रति मी. टन बैठती है।

21. निर्यातकों द्वारा असहयोग करने को ध्यान में रखते हुए सी आई एफ निर्यात कीमत में नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर यू एस ए से निर्यातकों द्वारा केवल निर्यातों पर ही व्यय किए गए महासागर बीमा, महासागर भाड़ा तथा अन्य प्रभारों के लिए समायोजित किया गया है।

22. उपर्युक्त विस्तृत विवरण के अतिरिक्त बिस्फेनोल-ए की निर्यात कीमत के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक जांच के पैरा 18—26 की पुष्टि करते हैं।

तुलना

23. प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों में बिस्फेनोल-ए की अच्छी मात्रा के सामान्य मूल्य का आकलन किया है। ऑफ स्पैक का मामला निर्यात कीमत निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए तभी आवश्यक है जब अच्छी क्वालिटी वाले बिस्फेनोल-ए की निर्यात कीमत उपलब्ध नहीं होती। चूंकि जिस कीमत पर सिबातुल ने बिस्फेनोल-ए का आयात किया ऑफ-स्पैक सामग्री की निर्यात कीमत थी तथा सिबातुल ने स्वयं अच्छी क्वालिटी वाले बिस्फेनोल-ए की कीमत प्रस्तुत की थी, इसलिए भारत में आयात की गई अच्छी क्वालिटी वाली आयात की गई बिस्फेनोल-ए की कीमत पर प्रारंभिक निष्कर्षों में विचार किया गया। यह बात बहुत ही स्पष्ट रूप से प्रारंभिक निष्कर्षों (निष्कर्षों के पैरा 24) में प्रकाशित की गई थी। अतः आयातकों के ये विचार कि प्राधिकारी ने इस अवधि के दौरान आयात किए गए ऑफ स्पैक बिस्फेनोल-ए की निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना की है, सही नहीं है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि डम्पिंग मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण करने तथा सामान्य मूल्य के साथ उसकी तुलना करने के लिए आयातों की मात्रा कोई महत्व नहीं है।

24. प्राधिकारी निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य की तुलना के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 27 से 28 की पुष्टि करते हैं।

क्षति

25. सिबातुल द्वारा आयातित ऑफ-स्पैक बिस्फेनोल-ए का उपयोग उसने उसी उद्देश्य से किया जिसके लिए उसने अच्छे प्रकार के बिस्फेनोल-ए की खरीद और उपभोग किया होता। इस प्रकार, इस आयात का प्रभाव, भारत में अच्छे प्रकार के बिस्फेनोल-ए की मांग का प्रतिकार करना था, भले ही उसकी आपूर्ति केसर द्वारा की गई हो या विदेशी स्रोतों से की गई हो। चूंकि सिबातुल द्वारा आयातित ऑफ-स्पैक सामग्री ने अच्छे प्रकार के बिस्फेनोल-ए के बाजार का प्रतिकार किया है। इसलिए आयातकों ने यह तर्क देते हुए कि यू.एस.ए. से आयातों की मात्रा कुल खपत के 2% से कम थी। इस बात को नजरअन्दाज करके बड़ी गलती की है। सिबातुल द्वारा आयातित सामग्री की मात्रा, बिस्फेनोल की इसकी जरूरत एवं भारत ने इस उत्पाद की मांग को देखते हुए सिबातुल द्वारा आयातित ऑफ-स्पैक सामग्री को न तो बिरला सौदा माना जा सकता है और न ही नगण्य। सिबातुल द्वारा किया गया ऑफ-स्पैक सामग्री का आयात, ज्यादा सस्ता उत्पाद प्राप्त करने के उद्देश्य से, गुणवत्ता के साथ समझौता करने वाला जानबूझकर किया गया व्यापार निर्णय प्रतीत होता है, जिसके परिणामस्वरूप अन्य विदेशी या भारतीय स्रोतों से आनुपातिक गुणवत्ता द्वारा इस उत्पाद की मांग का प्रतिकार हुआ। इस प्रकार, इन महत्वपूर्ण आयातों पर ध्यान नहीं देने का कोई आधार नहीं है। जब इन आयातों पर विचार किया जाता है, तब यू.एस.ए. से आयातों की मात्रा डी. मिनीमस सीमाओं से ज्यादा है।

26. केसर के उत्पादन, गुणवत्ता उपयोग, बिक्री, बिक्री-कीमतों में सुधार जरूर हुआ है। किन्तु यह पाया जाता है, जैसा कि प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 36 में दर्शाया गया है, कि केसर अपने मूल्य की वसूली नहीं कर सका और अपनी उत्पादन लागत एवं यथोचित लाभों से कम पर बेचने के लिए बाध्य हुआ। कोई भी व्यापारिक संगठन काफी समय तक अपने उत्पादों को उचित मूल्य से कम कीमत पर उत्पादन और बिक्री करना जारी नहीं रख सकता। केसर को हुई क्षति का निर्धारण करने में कीमत अत्यन्त महत्वपूर्ण कारकों में से एक है और इस पर विवाद नहीं है कि अपनी उत्पादन लागत वसूल करने और यथोचित लाभ कमाने से केसर को रोका गया है।

27. आयातकों ने इस निष्कर्ष पर पहुंचते समय कि आयातों में महत्वपूर्ण बृद्धि नहीं हुई है, सिबातुल द्वारा किए गए आयातों की उपेक्षा करके अबहुत बड़ी गलती की है। तथ्य यह है कि सिबातुल द्वारा ऑफ-स्पैक सामग्री के आयातों से केसर के लिए बाजारों को क्षति हुई है और आयातित पदार्थ अच्छी किस्म के बिस्फेनोल-ए का स्थापन हो गया है।

28. उत्पादन लागत और कच्चे माल की खपत की अक्षमताओं के संबंध में आयातकों के विचार सही नहीं हैं। प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत का निर्धारण करने में केसर द्वारा की गई कच्चे माल की वास्तविक खपत को हिसाब में नहीं लिया है। सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों एवं कम्पनीज अधिनियम की जरूरतों के अनुसार, केसर ने तुलन-पत्र में कच्चे माल की सकल खपत दर्शाई है चाहे वह अन्तिम उत्पाद के उत्पादन के लिए हो या सीधे ही बिक्री जैसे अन्य व्यापार उद्देश्यों के लिए है। किसी भी विधियों में, चूंकि प्राधिकारी ने केसर द्वारा दावा की गई खपत या तुलन-पत्रों में दर्शाई गई खपत को हिसाब में नहीं लिया है, इसलिए प्रमाण उपेक्षा किए जाने के योग्य हैं।

710-411-2

29. रूस, ब्राजील और यू.एस.ए. से हुए आयातों से केसर को संचयी आधार पर जो क्षति हुई उसके संबंध में प्राधिकारी के जांच परिणाम नियमों के अनुसार हैं। ये जांच परिणाम घेरलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के बारे में हैं। आयातकों ने केसर को हुई क्षति की मात्रा के साथ इस मुद्दे को जोड़ने में गलती की है कि रूस और ब्राजील से आयातों के संबंध में प्रतिपाटन शुल्कों का सुझाव देते वक्त प्राधिकारी ने केसर को हुई पूरी क्षति के पहले ही हिसाब में ले लिया है।

केसर द्वारा व्याज के पहले लाभ से घेरलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के बारे में कुछ पता नहीं चलता है। उत्पादन की पूरी लागत और यथोचित लाभ से कम कीमत पर बिक्री का तथ्य ही प्रासंगिक है, जिसका कि खण्डन नहीं किया गया।

30. जॉब वर्क से केसर को हुई हानि कोई तर्क का विषय नहीं है। यह हो सकता है कि उपलब्ध गुणवत्ता का उपयोग करके अपनी क्षमता उपयोग को बेहतर बनाए रखने के लिए कंपनी ने कोशिश की होगी।

31. यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत के बारे में केवल याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेदन पर ही विश्वास नहीं किया है। प्राधिकारी ने स्थान गर ही जांच के लिए एक टीम को तैनात किया और घेरलू उद्योग के लिए भारत में बिस्फेनोल "ए" का उचित बिक्री मूल्य निकाला है। चूंकि यह याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए गोपनीय आंकड़ों पर आधारित है, इसलिए प्राधिकारी इस पर विस्तृत रूप से चर्चा नहीं करता है।

32. हितबद्ध पार्टीयों के तर्कों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी घेरलू उद्योग को हुई हानि के बारे में प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 29 से 41 की पुष्टि करते हैं।

कार्य-करण संबंध

33. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अनुपयुक्त संयंत्र आकार और स्थान संबंधी हानियों जैसे मुद्दे अनेक हितबद्ध पार्टीयों द्वारा उठाए गए हैं। किन्तु, चूंकि उचित बिक्री कीमत का निर्धारित नियामक कीमत के आधार पर किया गया है, इसलिए अन्य कारणों से घेरलू उद्योग की हुई क्षति को निष्प्रभावी कर दिया गया है।

34. सभी सम्बद्ध मुद्दों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यू.एस.ए. मूल के बिस्फेनोल-ए के पाटन और घेरलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कार्य-करण संबंध के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा की पुष्टि करते हैं।

भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

35. प्राधिकारी ने केवल जांच अवधि के दौरान की सूचना के बारे में विचार किया है एवं 18 महीनों की किसी सूचना पर विश्वास नहीं किया है, जैसाकि सिंगबुल द्वारा उद्धृत किया गया।

36. नियातकों से सहयोग न मिलने का लाभ केसर को प्रदान करने की प्राधिकारी की कोई मनसा नहीं है। नियातकों से असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

37. शुल्क लगाने का उद्देश्य किसी विशेष स्रोत से आयातों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है। इस संबंध में आयातकों का यह तर्क कि प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने से आपूर्तियों के स्रोतों में कभी आ जाएगी गलत और भ्रामक है।

38. सीमा शुल्क की वर्तमान दर, विस्फेनोल-ए की बिक्री कीमत परिवर्तन और जांच अवधि के बाद हुए अन्य परिवर्तन जांच की परिधि बाहर हैं। तथापि उपर्युक्त नियमों के अनुसार जांच से सम्बद्ध कोई भी टी वर्तमान जांच परिणामों की समीक्षा हेतु प्राधिकारी से अनुरोध कर रहती है।

39. केसर के एकमात्र उत्पादक होने का मुद्दा भी वर्तमान कार्रवाई अप्रासंगिक है क्योंकि जब तक याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के मानदंड को रा करता है, तब तक प्रतिपाठन अधिनियम के अंतर्गत एक मात्र उत्पादक अधिकार पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है।

इसके अलावा, यह देखा गया है कि घरेलू उत्पादक विभिन्न स्रोतों से इसके उत्पाद के आयात पर सीधी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं और इस स्थिति में नहीं है कि वे इस उत्पाद के बाजार में अपना आधिपत्य अयम कर सके अथवा इसके मूल्यों में हेराफेरी कर सके।

इसके अलावा पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, जैसाकि प्रारम्भिक अंच परिणामों के पैरा 44 में विस्तृत रूप में बताया गया है, उस पाटन को माप्त करना है जिसने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचायी है और एक उचित तेस्पर्धा की स्थिति की पुनरस्थापना करना है न कि किसी निश्चित स्रोत से आयात को रोकना।

40. विस्फेनोल-“ए” की प्रचलित घरेलू कीमतें तथा अन्तर्राष्ट्रीय अंमतें या केसर की निर्यात कीमतें वर्तमान जांच के लिए असंगत हैं।

41. ऊपर दिए गए विस्तृत विवरण को छोड़कर प्राधिकारी प्रारम्भिक अंच के पैरा 44 से 49 तक की पुष्टि करते हैं।

अन्तिम जांच-परिणाम

42. उपर्युक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

- (1) यू.एस.ए. से भारत को किया गया विस्फेनोल-“ए” का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया;
- (2) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (3) घरेलू उद्योग को यह हानि यू.एस.ए. मूल के अथवा वहां से किए गए निर्यात के कारण हुई है।

43. इसलिए, प्राधिकारी प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 50 से 2 की पुष्टि करते हैं और यू.एस.ए. मूल के अथवा वहां से किए गए विस्फेनोल-ए के सभी आयातों पर नीचे बताई गई दरों पर अंतिम प्रतिपाठन शुल्क लगाने का सुझाव देते हैं :—

नियातक का नाम	शुल्क की राशि (रु. प्रति मी. टन)
स्ट्रुइ एण्ड कम्पनी (यूएसए) इंक	10,000
“रुक्त से भिन्न नियातक	10,000

45. इस आदेश के विरुद्ध अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 1997

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Bisphenol-A originating in or exported from USA—Final Findings.

F. No. 15/5/95/ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

Procedure

2. The Procedure described below has been followed :—

- (i) The Designed Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide Notification No. 15/5/95/ADD dated the 25th Oct., 1996 and requested the interested parties to make their view known in writing within forty days from the date of its publication;
- (ii) Forwarding a copy of the Preliminary Findings, all known interested parties were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- (iii) The Authority also forwarded a copy of the Preliminary findings to the Embassy of the United States of America (referred to as USA hereinafter) in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish views on the Preliminary Findings;
- (iv) The Authority has concluded the investigation within the extended time limit allowed by the Central Government;
- (v) The Authority held a public hearing on 10-1-97 to hear views orally. All the parties attending the public hearing were requested to file written submission of the views expressed orally. The parties were advised to collect copy of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals.

44. प्राधिकारी उपर्युक्त बातों के अध्यधीन 25-10-1996 को सुचित प्रारम्भिक जांच-परिणामों की पुष्टि करते हैं।

- (vi) In accordance to Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

Domestic Industry's Views

3. The views expressed by M/s. Kesar Petroproducts Ltd. (referred to as Kesar hereinafter) in response to the Preliminary Findings are briefly as follows :

- (i) As a result of the imposition of the Anti Dumping Duty on imports from Japan, Russia and Brazil, USA started dumping Bisphenol-A in the absence of any international competition in India;
- (ii) Kesar has furnished detailed working of injury margin, which comes to Rs. 31,362 per MT and therefore, the Anti Dumping Duty should be raised to this level;
- (iii) Cumulative injury was caused to the Domestic Industry from the Imports from Russia, Brazil and USA.
- (iv) Since the investigation against imports from Russia and Brazil have already been concluded by the Authority, the data as to reasonable selling price of Kesar have all been finally determined by the Authority, on the basis of which the Authority should levy duty to the extent of Rs. 31,362 per MT.

Views of Exporters, Importers and Other Interested Parties

4. None of the exporters expressed any view on the Preliminary Findings announced by the Authority. One company in USA, M/s. First Intercontinental Corporation has, however, written a letter addressed to the Authority, copy of which has been enclosed by the importers. The Company has stated that it shall not export Bisphenol-A to India at prices lower than prevailing in USA on a delivered basis for similar type/volume. It has further stated that it has been handling export marketing in India for a producer in USA, M/s. Aristech Chemical Company and the export transactions completed by it in India were comparable in price to the delivered price to local customers in USA. The company requested exemption from proposed levy of Anti Dumping Duty.

Views of the importers and other interested parties

5. M/s. Cibatul Ltd. is the only importer of Bisphenol-A during the period of investigation who has responded to the Authority. A number of other parties have also, however, participated in the investigations and have expressed their views. The view expressed by the importer and other inter-

ested parties are briefly as under :

On Normal Value :

- (i) The prices submitted by the Indian Embassy in USA are on the basis of distributor's pricing for only one of the producers in USA and was effective in the post investigation period;
- (ii) The Chemical Marketing Reporter (CMR) prices are indicative prices. The prices at which the business is transacted is more relevant and the investigation fails to conclude whether the CMR prices are sample prices or for industrial use. The investigation fails to conclude if any business was transacted at US \$ 3.6 per kg. in USA;
- (iii) The Authority could not generate required response and obtain necessary information from the exporters;
- (iv) The Indian market may be insignificant to the exporters to respond to the Authority. Discontinuation of imports from USA would severely affect the interests of the user industry;
- (v) It is wrong to conclude that none of the other importers co-operated with the Authority, as observed in the preliminary findings. The importers could not, despite their best efforts, collect information on the correctness of the published information;
- (vi) The Authority should consider the Domestic Industry's actual Export Price of Bisphenol-A to arrive at dumping and material injury;
- (vii) Prices received from Independent Chemical Information Service (ICIS/LOR) shows that the price ruling during the investigation period in European market were 1.45 DM to 1.70 DM, establishing that the international market ruling during that period was not as stated by the Authority.

On Export Price :

- (i) It is incorrect to presume that the Export Price from USA was the price at which Cibatul imported the material. There has been one stray deal of one export to single importer of off-spec Bisphenol-A in jumbo pack of 1000 Kgs;
- (ii) The Export Price of Kesar to various countries should also have been examined by the Authority;

On Comparison of Normal Value and Export Price :

- (i) The imports of Bisphenol-A by Cibatul do not qualify inclusion in the import quantum. If

these are excluded there are insignificant imports of Bisphenol-A from USA, which do not account for 2% of total consumption;

On Injury :

- (i) The increase in production, sales volume and prices of Kesar, which is a prime consideration for assessment of injury, does not indicate that the Domestic Industry has suffered material injury;
- (ii) The imports of Bisphenol-A have not increased to more than three-fold, as observed by the Authority, if “one stray case” of 300 MT of imports is excluded;
- (iii) Capacity utilisation of the Domestic Industry has been as high as 84%-87% for three years ending 1995-96. The production cost, however, does not seem to be proportionate to the such high capacity utilisation. This shows that the Domestic Industry has uneconomical plant size, inferior technology and high project cost;
- (iv) The Phenol and Acetone consumption of the Domestic Industry, as shown in the Balance Sheet, is much higher than the consumptions published in the prospectus. The Phenol consumption has significantly increased over the years, in spite of increase in the capacity utilisation;
- (v) Increase in selling price for Kesar was more than increase in raw materials costs in 1995-96 as compared to the previous period, resulting in better contributions to Kesar.
- (vi) Since the Authority has concluded that injury has been cumulatively caused by the imports from USA alongwith imports from Russia & Brazil and the Authority already recommended Anti Dumping Duties against imports from Russia and Brazil, the impact that can be given on the imports from USA would be only marginally high. If the injury caused from imports from Russia and Brazil is removed, there is no base of injury due to imports from USA;
- (vii) Kesar has made a loss of Rs. 8.88 lacs against job work done by it for a local party;
- (viii) Kesar is making profit before interest;

Other issues :

- (i) The Authority has considered 18th months to cover all imports from various countries including USA;
- (ii) It is unfair that the benefit of non-cooperation by the exporters is given to the domestic pro-

ducer of Bisphenol-A;

Examination by Authority

6. The submissions made by Kesar, the importers and other interested parties have been examined and considered by the Authority while arriving at these findings and, wherever appropriate, have been dealt hereinafter. The comments made subsequent to the disclosure of the essential facts have also been appropriately dealt with hereinafter.

7. The Authority confirms, in the absence of any direct response from the exporters in the form and manner prescribed, having made these findings on the basis of the facts available to it as per rule 6(8) supra.

Like Articles and Domestic Industry

8. Under Rule 2(d) “like article” means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

9. The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in para 9 of the preliminary findings, which is Bisphenol-A.

10. A number of parties have raised argument that the Bisphenol-A imported by Cibatul was off-spec and sub-standard material. The Authority, however, finds that the off-spec material purchased by Cibatul was consumed of the similar purpose for which material produced by Kesar was meant for. The material imported by Cibatul has clearly substituted the material produced and sold by Kesar both commercially and technically. The Authority, therefore, notes that the articles produced by the domestic industry had characteristics closely resembling those of article under investigation and therefore the criteria prescribed in the definition under rule 2(d) are adequately satisfied.

11. The Authority confirms para 9 of the Preliminary Findings and confirms that Bisphenol-A produced by the Domestic Industry was a like article to the Bisphenol-A exported to India originating in or exported from USA within the meaning of the rules supra.

Normal Value

12. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means :

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article which meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situ-

ation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

13. The Authority had sent exporters questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in terms of the section cited above. However, the Authority notes that none of the producers/exporters from USA has co-operated with the Authority and no information has been furnished in the form and manner prescribed. None of the producers/exporters has also offered itself for verification by the Authority.

14. The Authority appreciates that the prices indicated in the Chemical Marketing Reporter may not reflect the prices at which business was transacted in USA. However, the exporters/producers have failed to furnish any information in spite of repeated opportunities provided to them, nor have the importers furnished any evidence with regard to the prevailing prices in the domestic market in USA. Moreover, the importers themselves have agreed that the prices indicated in the CMR are in fact indicative of the prices prevailing in the domestic market.

15. The prices indicated in ICIS/LOR are irrelevant as the same do not indicate the prices prevailing in the USA market. Ruling international prices are irrelevant to determine normal value for an exporter/producer in USA.

16. In the light of the foregoing the Authority considers it appropriate to determine normal value in accordance with the prices published in CMR, with appropriate adjustments for levels of trade.

17. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 12 to 17 of the preliminary findings with regard to Normal Value of Bisphenol-A in USA.

Export Price

18. The exporters have failed to furnish ex-works export price. All those who imported Bisphenol-A during the period have not furnished factual information to the Authority, in spite of repeated opportunities provided by the Authority. Under the circumstances the export price has to be worked out on the basis of information made available by Cibatul, other interested parties and information available with the Authority.

19. The Authority notes that Cibatul and other interested parties agreed that there were only two import transactions of import of Bisphenol-A during the investigation period.:

* 300 MT off-spec Bisphenol-A imported by Cibatul in Jumbo packing in single deal;

* 8.040 MT Bisphenol-A imported by Uttamlal.

20. The Authority recognizes that the material imported by Cibatul was off-spec, in jumbo packing size and was imported in bulk, through single deal. Therefore, the price at which Cibatul imported Bisphenol-A did not reflect the correct export price. However, there is another import transaction in small volume of good quality Bisphenol-A. Moreover, Cibatul has also confirmed that there has been import of good quality Bisphenol-A at the price of US \$ 770 to 1067 per MT, based on imports by other importers. However, since Cibatul has reported transactions beyond the period of investigation also the export price has been worked out based on the import during the period of investigation, which was at US \$ 770. This would a reasonable basis of the export price of good quality Bisphenol-A imported during the period. The CIF export price has been accordingly arrived at US \$ 770 per MT.

21. The CIF export price has been adjusted for ocean insurance, ocean freight and other charges incurred exclusively on exports by the exporters from USA on the basis of best information available in accordance with rule 6(8) in view of non-cooperation by the exporters.

22. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 18 to 26 of the Preliminary Findings with regard to export price of Bisphenol-A.

Comparison

23. The Authority worked out normal value of good quality Bisphenol-A in the preliminary findings. The issue of off-spec is relevant for the purpose of determination of export price only if the export price of good quality Bisphenol-A is not available. Since the price at which Cibatul imported Bisphenol-A was an export price of off-spec material and Cibatul itself had furnished price of good quality Bisphenol-A, the price of good quality Bisphenol-A imported in India was considered in the preliminary findings. This has been very clearly brought out in the preliminary findings (para 24 of the findings). The observations of the importers that the Authority has compared normal value with export price of

off-spec Bisphenol-A imported during the period is, therefore, incorrect. The Authority also notes that the volume of imports is immaterial for determination of export price and comparison of the same with normal value to arrive at the dumping margin.

24. The Authority confirms the paras 27 to 28 of the preliminary findings with regard to comparison of export price and normal value.

Injury

25. The off-spec Bisphenol-A imported by Cibatul was consumed by it for the purpose for which it would have purchased and consumed good quality Bisphenol-A. The effect of the import was, therefore, to off-set the demand of good quality Bisphenol-A in India, whether supplied by Kesar or overseas sources. Since the off-spec material imported by Cibatul has off-set the market of good quality Bisphenol-A, the importers have grossly erred in disregarding the same while arguing that the volume of imports from USA was less than 2% of total consumption. The off-spec material imported by Cibatul can neither be considered as a stray deal nor negligible, given the volume of the material imported by Cibatul, its requirements of Bisphenol-A and the demand of the product in India. The imports of off-spec material made by Cibatul appears to be a conscious business decision, with a view of obtain cheaper product, compromising on quality, which has resulted in off-setting the demand of the product from other foreign or Indian sources by the proportionate quantity. There is, therefore, no ground in disregarding these significant imports. When these imports are considered, the volume of imports from USA is more than de-minimus limits.

26. Production, capacity utilisation, sales, selling prices of Kesar do show improvement. However, it is found, as brought out in para 36 of the preliminary findings, that Kesar had not been able to realise its prices and was forced to sell below its cost of production and reasonable profits. No business organisation can continue to produce and sell its products at prices below fair price for a considerable period. Price is one of the most important factors in determining injury to Kesar and it is not disputed that Kesar has been prevented from recovering its cost of production and earn reasonable profit.

27. The importers have grossly erred in ignoring the imports made by Cibatul while holding that the imports have not significantly increased. The fact is that the imports by Cibatul of off-spec material resulted in loss of market for Kesar and the material imported substituted good quality Bisphenol-A.

28. The observations of the importers with regard to cost of production and raw materials consumption inefficiencies are incorrect. The Authority has not allowed actual consumption of raw material by Kesar while arriving at fair selling price. As per the Generally Accepted Accounting Principles and as per the requirements of the Companies Act,

Kesar has shown its gross consumption of raw materials in the Balance Sheet, regardless of the fact whether the same is for production of the end product or for other business purposes, such as direct sales. In any event, since the Authority has not allowed the consumptions claimed by Kesar or consumption appearing in the Balance Sheets, the averments deserve to be disregarded.

29. Findings of the Authority with regard to injury to Kesar from imports from Russia, Brazil and USA on cumulative basis is in accordance with the rules. The findings are with regard to the material injury to the Domestic Industry. The importers have erred in correlating the same with the extent of injury suffered by Kesar while holding that the Authority has already allowed full injury suffered by Kesar while recommending Anti Dumping Duties in respect of imports from Russia and Brazil. Profit before interest made by Kesar does not reveal anything about the material injury to the Domestic Industry. The fact of sales below full cost of production and reasonable profit only is relevant, which is uncontroverted.

30. Losses made by Kesar from Job Work does not advance any argument. The company might have tried to keep its capacity utilisation better by utilising capacity available.

31. It is clarified that the Authority has not merely relied upon the submissions of Kesar while working out fair selling price. The Authority deputed a team for on-the-spot investigation and has worked out, in detail, fair selling price of Bisphenol-A in India for the domestic industry. Since the same is based on confidential data furnished by the petitioner, the Authority refrains from discussing the details.

32. After considering the arguments raised by the interested parties the Authority confirms paras 29 to 41 of the Preliminary Findings relating to injury to the domestic industry.

Causal Link

33. The Authority notes that the issues such as improper plant size and locational disadvantages have been raised by a number of interested parties. However, since the fair selling price has been worked out on the basis of normative value, injury to the domestic industry on account of other factors has been nullified.

34. The Authority after considering all related issues, confirms paras 42 to 43 of the Preliminary Findings with regard to causal link between dumping of Bisphenol-A originating from USA and material injury to the domestic industry.

Indian Industry's Interest and Other Issues

35. The Authority has considered information pertaining to the period of investigation only and has not relied upon any information for the 18 months, as referred to by Cibatul.

36. The Authority has not intended to extend benefit of non-cooperation from the exporters to Kesar. In view of non-cooperation from the exporters, the Authority is left with no other option but to resort to the best information available.

37. The purpose of imposition of duty is not to restrict imports from a particular source. The importers could still maintain two or more sources of their choice. The contention of the importers on this account that imposition of Anti Dumping Duty may reduce sources of supplies is incorrect and misleading.

38. The current rate of customs duty, changes in selling price of Bisphenol-A and any other change subsequent to the investigation period are outside the scope of this investigation. However, any party to the investigation may request the Authority for review of the present findings, in accordance with the Rules supra.

39. The issue of Kesar being the single producer is also irrelevant in the present proceedings as the right of a single producer cannot be restricted under the Anti Dumping Act, so long as the petitioner satisfies the criterion of Domestic Industry. Moreover, it is observed that the domestic producers are facing direct competition from imports of the subject goods from various sources and they are not in a position to dictate or manipulate the prices or the market of the product in the Indian market. Moreover the purpose of anti-dumping duties, as detailed in para 44 to of the Preliminary Findings, is to remove dumping which has caused injury to the domestic industry and to re-establish a situation of fair competition and not to restrain imports from any specific source. The current national and international prices of Bisphenol-A or export price of Kesar are irrelevant for the present investigation.

40. Since First Intercontinental Corp. has not exported Bisphenol-A to India during the investigation period, it may apply to the Authority for exclusion in accordance with Rule 22 supra.

41. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 44 to 49 of the preliminary findings.

Final Findings

42. The Authority has, after considering the foregoing come to the conclusion that:

- (i) Bisphenol-A originating in or exported from USA has been exported to India below its normal value;
- (ii) the domestic industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused to the Domestic Industry by the exports originating in or exported from USA.

43. The Authority therefore, confirms paras 50 to 52 of the preliminary findings and recommends impositions of final Anti-dumping Duties on all imports of Bisphenol-A originating in or exported from USA at the rates specified below:

Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
Mitsui & Company (USA) Inc.	10,000
Exporters other than above	10,000

44. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 25-10-1996.

45. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

